भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 1150
****
गुरूवार, 8 फरवरी, 2024/19 माघ, 1945 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

अयोध्या विमानपत्तन

1150. श्री भोला सिंहः
श्री विनोद कुमार सोनकरः
डॉ. सुकान्त मजूमदारः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने अयोध्या विमानपत्तन को अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन घोषित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है और इसका नाम "महर्षि वाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन, अयोध्याधाम" रखा है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि अयोध्या की आर्थिक क्षमता और वैश्विक तीर्थ स्थल के रूप में इसके महत्व को साकर करने तथा विदेशी तीर्थयात्रियों तथा पर्यटकों के लिए इसके दरवाजे खोलने के लिए अयोध्या विमानपत्तन को अंतर्राष्ट्रीय दर्जा दिया जाना सर्वोपरि है;

(घ) यदि हां, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है; और

(ङ) पिछले तीन वर्षो के दौरान सरकार द्वारा अयोध्या में अन्य क्या आधारभूत ढांचागत कार्य किए गए हैं?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त))

(क) से (घ): अयोध्या की आर्थिक क्षमता और वैश्विक तीर्थ स्थल के रूप में इसके महत्व को ध्यान में रखते हुए, सरकार ने उत्तर प्रदेश में अवस्थित अयोध्या हवाईअड्डे को अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के रूप में घोषित करने तथा इसका नाम "महर्षि वाल्मिकी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा, अयोध्याधाम" रखने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसे दिनांक 16.01.2024 को भारत के राजपत्र में अधिसूचित किया गया है।

(ङ): टर्मिनल भवन, पेवमेंट का निर्माण, ग्रेडिंग और अन्य अनुषंगी कार्य सहित अयोध्या हवाईअड्डे का विकास एएआई द्वारा 350.00 करोड़ रुपए (लगभग) की राशि से किया गया है।

******